



- निर्वाचन आयोग ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह समेत 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के निर्देश दिए।
- आकाशवाणी श्री विजयपुरम् के अधिकारियों ने उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा से शिष्टाचार भेंट की, उपराज्यपाल के साथ प्रसारण सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।
- कालिघाट पुलिस की बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, 50 छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।
- युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए दक्षिण अंडमान पुलिस का जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों से एंटी-ड्रग स्कवॉड बनाने में सहयोग की अपील।



निर्वाचन आयोग ने अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह समेत 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 1 जनवरी 2027 को पात्रता की तारीख निर्धारित की गई है। इस अभियान का उद्देश्य पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं और पहली बार मतदाता बनने वाले लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने का अवसर देना है। आयोग के अनुसार, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के अलावा असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, मणिपुर, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में यह प्रक्रिया संचालित की जाएगी। आयोग ने 29 सितंबर को भी निर्देश जारी कर मतदाता सूची में शामिल होने से छोटे पात्र नागरिकों और नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही थी।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित विधानसभा क्षेत्र के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल होने से न छूटे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम दर्ज न हो। इस प्रक्रिया के तहत बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच नहीं करेंगे। युवा और पहली बार मतदाता बनने वाले नागरिक 1 जनवरी के अलावा 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को पात्रता प्राप्त करने की स्थिति में भी अग्रिम पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए जिला स्तर पर सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां प्रवासी, कमजोर और वंचित वर्गों के लोगों को पंजीकरण में मदद दी जाएगी।



आकाशवाणी श्री विजयपुरम के अधिकारियों ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर द्वीपसमूह में रेडियो और दूरदर्शन प्रसारण सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने, जन-जागरूकता अभियानों का विस्तार करने तथा केंद्र एवं स्थानीय प्रशासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के संबंध में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के उपमहानिदेशक, अभियांत्रिकी, क्लस्टर प्रमुख और कार्यालय प्रमुख, सी. सुब्बाराव ने किया। प्रतिनिधिमंडल में आकाशवाणी की सहायक निदेशक (कार्यक्रम) एवं कार्यक्रम प्रमुख मीना प्रकाश, सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के आहरण एवं संवितरण अधिकारी दीपक चंद्र तिवारी, आकाशवाणी के समाचार संपादक एवं क्षेत्रीय समाचार इकाई के प्रमुख पी. हरिकृष्णा तथा आकाशवाणी की कार्यक्रम निष्पादक जयशीला जसिंता लकरा शामिल रहे। बैठक के दौरान आकाशवाणी के माध्यम से उपराज्यपाल के मासिक संबोधन का कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव प्रमुखता से सामने आया। इस कार्यक्रम के जरिए उपराज्यपाल द्वीपसमूह के नागरिकों से नियमित रूप से संवाद के साथ-साथ तथा भारत सरकार एवं द्वीप प्रशासन की प्राथमिकताओं, विकास कार्यों, जनहितकारी योजनाओं और महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों से संबंधित जानकारी साझा कर सकेंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए उपयुक्त नाम तय कर अनुमोदन के लिए उपराज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करने पर विचार किया गया। आकाशवाणी के अधिकारियों की उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा के साथ दूरस्थ क्षेत्रों और द्वीपों तक सूचनाएं पहुंचाने में आकाशवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, सरकारी योजनाओं, विकासात्मक पहलों और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन तथा आकाशवाणी के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकताओं पर चर्चा हुई। यह शिष्टाचार भेंट आकाशवाणी की प्रसारण सेवाओं के माध्यम से प्रशासनिक पहलुओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को द्वीपवासियों तक पहुंचाने के लिए आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही।



अंडमान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अभियान समिति के अध्यक्ष टी एस जी भास्कर ने अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव से मुलाकात कर द्वीपसमूह के लोगों को प्रभावित करने वाली विभिन्न समस्याओं और लंबित जन शिकायतों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने इन समस्याओं पर तत्परता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।



बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उत्तर एवं मध्य अंडमान जिले की कालिघाट पुलिस ने रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण योजना के तहत सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालिघाट की लगभग 50 छात्राओं के लिए एक माह का निःशस्त्र युद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक तरीके और जवाबी हमले की तकनीकें सिखाई जा रही हैं, ताकि वे किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा सकें। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, सतर्कता और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है।

पुलिस का उद्देश्य ऐसे प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं को संभावित विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना और उनमें सुरक्षा के प्रति जागरूकता मजबूत करना है।



नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दक्षिण अंडमान जिला पुलिस ने जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। जिला मुख्यालय, दक्षिण अंडमान के नेतृत्व में लॉ कॉलेज, जे एन आर एम कॉलेज, एनकॉल कॉलेज, मोहनपुरा स्कूल, विवेकानंद स्कूल और जी एस एस एस हैड्रो में आयोजित इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। पुलिस ने विद्यार्थियों से एंटी-ड्रग स्वॉड के गठन और संचालन में स्वयंसेवक के रूप में भाग लेने की अपील की।



कोलकाता से रवाना हुआ यात्री जहाज एम वी स्वराजद्वीप के 18 अक्टूबर को सुबह 6 बजे राजधानी श्री विजयपुरम पहुँचने की संभावना है। जहाज को हैड्रो जेट्टी पर लगाया जाएगा। जहाज में कुल 203 यात्री सवार हैं। जहाजरानी सेवा निदेशालय के अनुसार, जहाज 22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राजधानी श्री विजयपुरम से चेन्नई के लिए रवाना होगा। अतिरिक्त सामान की बुकिंग और लोडिंग 21 अक्टूबर को दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक होगी। इसके लिए सामान की अग्रिम बुकिंग DSS के वाणिज्यिक विभाग में करानी होगी। चेन्नई जाने वाले यात्रियों का प्रवेश 22 अक्टूबर को सुबह 7 से 9 बजे तक होगा।



केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान पिछले दिनों कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए 'द्वीप गुट्टी तीन सौ पैसठ' तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में तेजपत्ता की गुणवत्तापूर्ण पौध का सालभर उत्पादन बढ़ाना है।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अजीत अरुण वामन और डॉ. पूजा बोरा ने तेजपत्ता की पौध तैयार करने की तकनीक विकसित की है। समापन सत्र में संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. जय सुंदर ने प्रशिक्षण का लाभ दूरदराज के द्वीपों के किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

